थासू बांधी प्रीत की डोरी नाकोड़ा भेरूजी भजन

थासु बांधी प्रीत ओ बाबा,
अब यूँ ना बिसराओ जी,
एक अरज है थासु बाबा,
हिवड़े से लगाओ जी,
नाकोड़ा रा भेरूजी,
थे पलका में बस जाओ जी,
दर्श बिना अब चेन न आवे,
अब तो दर्श दिखावो जी,
अब तो दर्श दिखावो जी।
थासू बांधी प्रीत की डोरी,
ज्यू चंदा के संग चकोरी राज,
दिलड़ा में थाने बसाऊगी हो,
भेरूजी भक्ति में थारी रम जाऊँगी।bd।

तर्ज – थाने काजलियो बनालू।

प्यारी प्यारी सूरत थारी,
नैना माही डोले जी,
मन रो मोरिया हिवड़ा माही,
पल पल यु बोले जी,
ओलुड़ी आवे घणी म्हाने,
बेगा सा पधारो जी,
था बिण म्हारो कोई नही,
म्हाने एक आसरो थारो जी,
एक आसरो थारो जी।
आँगण चंदन चौक पुराऊँ,
मैं तो कुम कुम कलश सजाऊँ,
राज पलका ने राहों में बिछाऊंगी हो,
भेरुजी थारी सेवा में लग जाऊँगी।bd।

मन री बाता थे सब जाणों,
थाने के बतावाँ जी,
म्हारे दिल री थे ना सुनो तो,
और किने में सुनावाँ जी,
एक बार म्हाने दर्शन देवो,
नीता सु नेह लगावो जी,
भक्तो ने थे देव भेरूजी,
चरणों माही बिठावो जी,
समल्या कष्ट मिटावो जी।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

‘दिलबर’ निरख निरख हरखावां,
थाने हिवड़ा माही बिठावां राज,
चरणों मे उमर बिताऊगी हो,
भेरूजी थासू दूर कदी न जाऊँगी।bd।

थासू बांधी प्रीत की डोरी,
ज्यू चंदा के संग चकोरी राज,
दिलड़ा में थाने बसाऊगी हो,
भेरूजी भक्ति में थारी रम जाऊँगी।bd।

गायिका – नीता जी नायक।
रचनाकार – दिलीप सिंह सिसोदिया ‘दिलबर’।
नागदा जक्शन म.प्र. 9907023365

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com